Naidunia (Indore), 10th September 2026, Page – 01

नईदुनिया

नई सोच, नया अंदाज

इंदौर, भोपाल (नवदुनिया), जबलपुर, ग्वालियर, रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

फिर 100 डालर पार 11

खड़े हनुमान अड़े, अब तकनीक खोलेगी नींव का राज

सूर्यनारायण मिश्रा ● नईदुनिया

उज्जैन : सिंहस्थ महाकुंभ की तैयारियों के बीच छत्री चौक के समीप स्थित खड़े हनुमान मंदिर की मूर्ति का मामला अब आस्था से आगे विज्ञान और विशेषज्ञ जांच तक पहुंच गया है। मार्ग चौड़ीकरण के लिए मंदिर का ढांचा हटाया जा चुका है, लेकिन मूर्ति को प्रस्तावित नए स्थल ले जाने की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। स्थानीय पुरातत्वविदों के अनुसार मूर्ति की शिल्प शैली परमारकालीन हो सकती है और इसे प्राचीन इंटरलाकिंग तकनीक से स्थापित किया गया हो सकता है। मूर्ति की गहराई और मजबूत नींव के कारण इसे हटाना कठिन माना जा रहा है। हालांकि इसकी पुष्टि तकनीकी और पुरातात्विक जांच के बाद ही होगी।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने कहा कि प्रशासन की ओर से अभी मूर्ति स्थानांतरित करने का कोई नया प्रयास नहीं हुआ है। इंटरनेट मीडिया पर इससे संबंधित खबरों को उन्होंने भ्रामक बताया। कहा कि पहले विशेषज्ञ टीम मूर्ति के भार, आधार, गहराई और आसपास की भूमि की स्थिति का परीक्षण करेगी। इसके बाद ही स्थानांतरण या यथास्थान संरक्षण पर निर्णय लिया जाएगा। आइआइटी इंदौर की टीम द्वारा जांच की चर्चा थी, लेकिन अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अभी किसी टीम का निर्धारण नहीं हुआ है। सिंहस्थ के लिए मार्ग चौड़ीकरण योजना के तहत चार सितंबर को नगर निगम और प्रशासन की टीम ने मंदिर का ढांचा हटा दिया था। उसी दिन मूर्ति हटाने का प्रयास हुआ, लेकिन गहराई अधिक होने से प्रक्रिया रोकनी पड़ी। मूर्ति के नहीं हट पाने की बात इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुई तो भक्त जुटने लगे।

आस्था से विज्ञान तक

- उज्जैन में मंदिर हटने के बाद भी प्रतिमा यथास्थान पर मौजूद
- इंटरलाकिंग तकनीक से नींव के बनी होने की संभावना

एक्सपर्ट से जांच करवाएंगे

प्रशासन के स्तर पर मूर्ति हटाने को कोई प्रयास नहीं हुए हैं। इंटरनेट मीडिया पर कई खबरें भ्रामक चल रही हैं। मूर्ति को लेकर विशेषज्ञों से जांच करवाएंगे। इसके बाद आगे का निर्णय लेंगे।

–रौशन कुमार सिंह, कलेक्टर, उज्जैन

अब तीन विकल्प

- **सुरक्षित शिफ्टिंग:** विशेषज्ञों की अनुमति पर तकनीकी तरीके से स्थानांतरण।
- **यथास्थान संरक्षण:** मूर्ति को सुरक्षित रखते हुए आसपास की योजना में बदलाव।
- **सड़क अलाइनमेंट बदलाव:** जोखिम अधिक होने पर सड़क की डिजाइन बदलना।

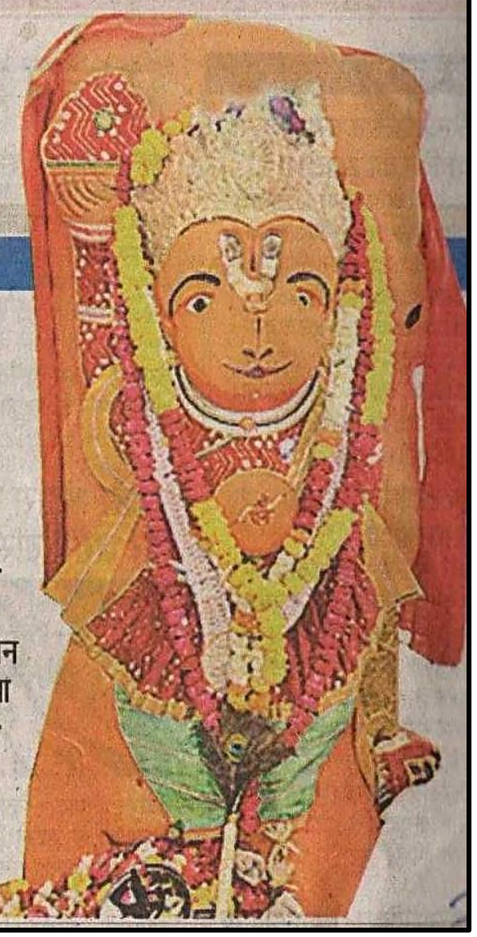

170 साल पुराना मंदिर

मूर्ति परमारकालीन होने का दावा

अस्थाई टैंट में खड़े हनुमान। ● नईदुनिया